

Level 3

जंगल मे अहाँक स्वागत अछि

Author: Bhavna Menon
Illustrator: Kavita Singh Kale
Translator: Kiran Choudhary

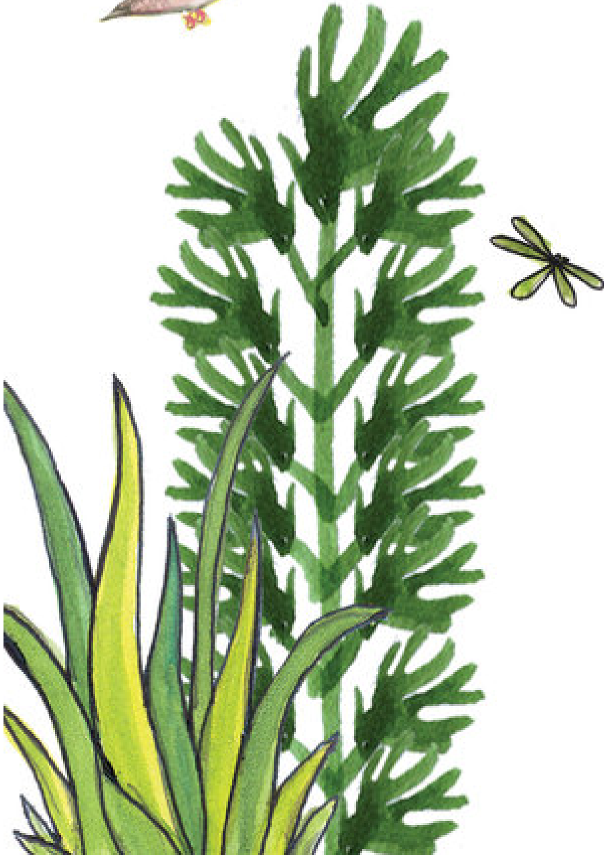


तुलसा के इच्छा होइत छनि जे ओ जंगल घुमितथि। हुनकर शिक्षक बाघक खिस्सा कक्षा मे पढ़ि के सुनबैत छथिन। हुनका जंगल आओर जंगलक जानवर सब के बारे मे सुनब बहुत प्रियगर लगैत छनि।



एक दिन हुनक इच्छा साकार भऽ जाइत छनि! खरे चाचा, जे एक वरिष्ठ जंगल पदाधिकारी छथिन , तुलसा आओर हुनक मित्र लोकनि के कान्हा "टाइगर रिजर्व जंगल " के निरीक्षण हेतु आमन्त्रित करैत छथिन। तुलसा आओर हुनक मित्र लोकनि के खुशी के ठाम नहि रहि जाइत छनि। ओ लोकनि सम्पूर्ण दिन आ रात्रि हेतु जंगल जेतीह!







विद्यालय सँ जंगलक दूरी बसक सवारी सँ 4 घण्टाक छैक। जहाँ कि तुलसा बस सँ उतरैत छथि, कि हुनका गर्मजोशी संग हाथ मिलेबाक अवसर भेटैत छनि। हाथ मिलौनिहार हुनकर केश पर हाथ फेरैत कहैत छथि। " अहाँ सब के कान्हा मे स्वागत अछि!"

ओ हाथ मिलौनिहार छलाह खरे चाचा।





तुलसा आ हुनक संगी रानी, मिठू आओर दिप्ती एक दोसराक नजदीके मे ठहरै गेलीह। मिठू बजलीह," हवा के जोर सँ स्वास लै जौ। हवा गाछ पातक सुगन्ध सँ सुगन्धित अछि!" रानी बजलीह जे हवा एतेक साफ अछि जेना ओकरा कियो साबुन सँ साफ कs देने होइ!"



प्रायः आब सूर्यास्त भऽ चुकल। खरे चाचा आओर जंगलक अन्य अधिकारी लोकनि कहलनि जे अहाँ सब काल्हि जंगलक निरीक्षण करब। ओ लोकनि कहलखिन जे अहाँ सब जंगलक पशु पक्षी सभक आवाज एहि प्ले मे सुनू आ पहचान करू जे आवाज कोन पसु वा पक्षी के छियैक।



पिआओन! पिआओन!

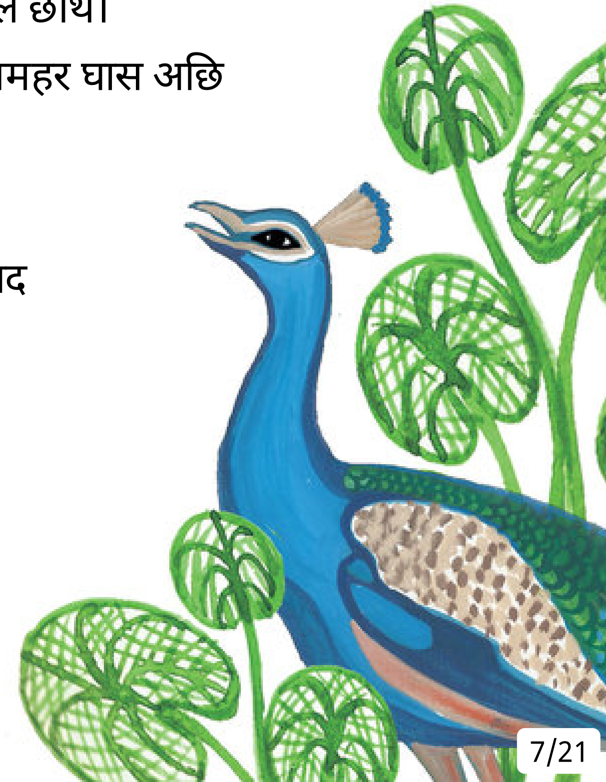
"ई तऽ मोरक आवाज छियैक!"

ऊ! ऊ!

"हम जनैत छी! ई हरिन के आवाज छियैक!"

की! की!

"ई तऽ झिंगुर के आवाज छियैक!" दोसर दिन, तुलसा 5 बजे भोरे जागि जाइत छथि। बाप रे! बहुत ठंढ़ा छैक! सब खूब मोट मोट गरम कपड़ा सब पहिरि मोटरी बनि गेल छथि। एक एक कऽ कऽ सब बस मे चढ़ि जाइत छथि।" हमरा सभक चारू भाग नमहर नमहर घास अछि आ ओ एना बुझि पड़ैत अछि जे कुहासा रुपी कम्बल ओढ़ने अछि," रणवीर चाचा, जे जंगल के मार्गदर्शक छथिन, हुनका लोकनि सँ कहैत छथिन। तुलसा के अनुभूति भऽ रहल छनि जे ठन्ढा ठन्ढा शुद्ध हवा मुँह मे प्रवेश कऽ रहल अछि आ ओकर स्वाद मिन्टक पातक स्वाद जकाँ लगैत अछि।





"शशश......" रणवीर चाचा फुसफुसाइत छथि" " हमरा सभक बसक दहिना भाग 2 टा गीदर अछि।" सब गोटे ध्यानपूर्वक सुनै जौ। ओ सब नमहर नमहर घास मे घिस घिस कऽ आवाज सुनै जाइत छथि। ई आवाज थिक गीदरक पएर सँ।सुखायल पात पर जखन ओ चलैत अछि आ घनगर जङ्गल तरफ जाइत अछि तऽ घसर घसर आवाज होइत अछि।

रणवीर चाचा फेर फुसफुसाइत छथि।" एक टा बडका हरिण जकरा सांभर सेहो कहल जाइत अछि, ओ सड़कक बाम मे ठाढ अछि। हरिण भूरा रंगक अछि। ओकरा माथ पर गाछक ठाइर जकाँ सिंह अछि, ओकरा एन्टलर सेहो कहल जाइत अछि। सब के सब अपन अपन ध्यान बाम भाग मे कऽ लैत छथि।



हाँक! हौंक! सांभर दौड़ैत अछि। तुलसा बजैत छथि जे आवाज तऽ बड़का हॉर्न जकाँ भऽ रहल अछि।" सब लड़की हँसय लगैत छथि।





जल्दिए, हवा और ठंढ़ा भऽ जाइत छैक। "हम सब आब नदी के नजदीक मे छी" रणवीर चाचा कहैत छथिन। तुलसा पानिक गरगरी के आवाज सुनि सकैत छलीह। बहुत तरहक पक्षीक बजबाक आवाज गाछ सब पर सँ आबि रहल छल।



फ्वी! फ्वी!

रश्मी कहैत छथि जे" ह्विस्टलिङ्ग के आवाज आबि रहल अछि!" रणवीर चाचा ताहि पर कहलनि जे हँ रश्मी, ई आवाज थिक थ्रस नामक पक्षी के।

कीच! कीच!

"ई फाटल फाटल आवाज बकवादी पक्षीक छियैक"





कोमल कोमल पात उपर सँ खसि रहल अछि। बानरक बच्चा सब एहि कोमल पात सब के उपर सँ झहरा रहल छैक। तुलसा एहि पात सभ के जे हुनका माथ पर खसैत छनि ओकरा बिछ लैत छथि । ओकर सुगन्ध आओर ताजगी ओहिना छैक जेना जंगल के।



बस आब ऊपर के तरफ बिदा भेल।

रणवीर चाचा कहलनि जे "एहि लत्ती के पकड़ू। केना ई एक मजबूत रस्सी जकाँ अछि से अनुभव करू? ओकर पात रुइ जकाँ छैक!" सब एहि रस्सी नुमा लत्ती के पकड़ि लैत छथि।

रणवीर चाचा कहलखिन्ह जे ई " महुल" थिक। ओकर पात सँ छोट कटोरी बनैत छैक।





पिआओन! पिआओन!

"मोर अहाँ सभक दहिना भाग अछि!" रणवीर चाचा उत्साहित भऽ कहलनि।



तुलसा पुछैत छथिन" ई नाच कऽ रहल छैक?"

चाचा कहलखिन" हँ" " एहि शरद ऋतुक सुर्यक प्रकाश मे ओकर पाँखि ओहिना चमकि रहल छैक , किरण बिखेर रहल छैक जेना कोनो आभूषण वला पाथर होइक।

"सुन्दर" तुलसा कहलनि।





आब तक सब कियो के भूख लागि गेल छलनि। जलपानक उद्देश्य सँ ओ लोकनि फोरेस्ट कैम्प मे रुकला। ओतय खरे चाचा एक टा नव हैरानी बला बातक उद्घोषणा करैत छथि। "कैम्प केर किछु हाथी एतय अछि" ओ हाथी ओहेन अछि जे जँ ओकरा अहाँ सब ओरिया के छुबियो देबैक तऽ ओ किछु नहि करत।" सब खुशी सँ किलकारी मारै लगलीह। जल्दीये तुलसा कैं तारा नामक हाथी कैं नजदीक लऽ जायल गेलनि।

मार्गदर्शक तारा केर पेट पर अपन हाथ रखैत छथिन। हाथी हुँकार भरैत अपन पएर घुमाबए लागल। तुलसा हाथीक घुमैत पएरक आवाज सुनैत छथि। तुलसा हाथीक शक्तिशाली मांशपेशी सँ अवगत भेलीह। तुलसा आराम आराम सँ हाथ सँ सहलाबति हाथी के किछु आदेश देलखिन, तारा हाथी अपन सूढ तुलसाक हाथ पर राखि देलक। तुलसा हाथी के किछु खाय लेल देथिन ताहि लेल हाथी देखऽ लागल। भीजल सूढ के अनुभूति पाबि तुलसा हँसय लगली।

आब लौटए के समय भऽ गेल। रास्ता मे ओ सब एक टा गौड़ के गुजरैत देखलखिन। " गौड़ घास चिबा रहल छल। पूरा देह कारी छल, मुदा पएरक निचला भाग बिल्कुल उज्जर। जेनाकि ओ मौजा पहिरने हो" रणवीर चाचा कहलखिन। सब हँसय लगली। एकाएक हवा मे एक टा खूब गंहीर आ जोड़क आवाज भेल।







ऊंह! ऊंह! फेर ओहेन पुकार सुनाइ पड़ैत छैक।

"बाघ बहुत दूर पर अछि" रणवीर चाचा बखान करैत छथि। "मगर ओ सम्भवतः अहाँ सभ के देखि लेने अछि, आओर ओ अहाँ सब के जनाबय चाहैत अछि जे ओ देखि लेने अछि।"





ओ लोकनि खुशीक सँग आह भरै लगली। तुलसा आओर हुनक संगी सब पार्क सँ बहाड़ भऽ गेलीह। जंगलक अनुभूति हेतु बहुतो माध्यम छैक! ओ सब फेर कान्हा टाइगर रिजर्व ओतीह ताहि लेल प्रतीक्षा नहि कऽ सकैत छलीह।





ई एक वास्तविक खिस्सा अछि।

जनवरी 2017 मे अनन्या मानव साई समिति, जबलपुर केर 23 विद्यार्थी लेल जे नेत्रहीन छलाह हुनका सब लेल एक कैम्प के आयोजन भेल। आयोजन , लास्ट वाइल्डरनेस फाउन्डेसन तथा कान्हा फोरेस्ट विभागक सम्मिलित रुप सँ कएलनि।

विद्यार्थी सभ के जंगल सँ आनन्द लेबाक उद्देश्य सँ , हुनका लोकनि के सफारी सँ जंगल घुमायल गेल। विद्यार्थी लोकनि प्रकृति ट्रेल और सेन्सोरी कौशल माध्यम सँ पूर्ण आनन्द उठौलनि।







लास्ट वाइल्डरनेस फाउन्डेशन

लास्ट वाइल्डरनेस फाउन्डेशनक विषय मे ओ एक एनजीओ अछि। शहरी तथा ग्रामीन क्षेत्र दुनू ठाम ओकर कार्य क्षेत्र छैक। ओ खास के बच्चा सभ मे वनप्राणी तथा जैविक विविधता विषय हेतु जागरुकता अनैक लेल कार्य करैत अछि जाहि सँ ओकरा सभ मे पर्यावरण सुरक्षा हेतु सम्बेदना जगै।



विस्तृत जानकारी हेतु , अहाँ ओकर वेब साइट पर देख सकैत छियैक।
www.thelastwilderness.org





Acknowledgements



Aripana Foundation, Darbhanga, works for the development of North Bihar with a focus on education. Through Project Lemonchoos, it strives to create quality children's literature in the underserved language Maithili. Aripana Foundation has coordinated the creation of this book with several individuals, in partnership with Pratham Books' Storyweaver.

StoryWeaver PRATHAM BOOKS

Story Attribution:

This story: जंगल मे अहाँक स्वागत अछि is translated by Kiran Choudhary . The © for this translation lies with Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Welcome to the Forest', by Bhavna Menon . © Pratham Books , 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

'Jangal me ahank swagat achhi' has been published on StoryWeaver by Pratham Books. www.prathambooks.org

Images Attributions:

Cover page: A girl listening to the sounds of jungle, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: A girl's face infront of trees and birds, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Birds flying around plants, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: School girls holding hands in the forest, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: A bulbul with leaves, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: School teacher recording animals sounds, girls giggling, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: A peacock with leaves, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: School girl listening to the sounds of jungle animals, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: A Deer and a fox, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Teacher pointing at a bird, school girls giggling, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Images Attributions:

Page 11: Birds on branches, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: School girl's hand touching leaves, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: A monkey sitting on a branch, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: A peacock dancing in the forest, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: Black bird on a branch, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: School girls hugging an elephant, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Elephant with grass, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: A man talking about a tiger, tiger standing, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: Bull and butterflies, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: A fox in the forest, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 21: Peacock in the forest, by Kavita Singh Kale © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.



जंगल मे अहाँक स्वागत अछि

(Maithili)

तुलसा अपन विद्यालयक संगी संग कान्हा पसु उद्यान गेल छथि। हुनका लोकनि कैँ जंगलक कर्मचारी संग यात्राक अद्भुत अनुभव होइत छनि।

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.

